दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 171 मंगलवार 14 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सौरभ तुलस्यान को 'शिल्पकार' अवार्ड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । दिल्ली में आयोजित एशिया के सबसे बड़े एआई, रोबोटिक्स, कोडिंग और गेम्स डिजाइन कार्निवल में, अविष्कार द्वारा सौरभ तुलस्यान को 'शिल्पकार' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उनके शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है।

सौरभ तुलस्यान ने 'सुपरकिड्ज एकेडमी' और 'लर्नशाला' की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अगली पीढ़ी के कौशल से सशक्त बनाना है। उनकी इन पहल का उद्देश्य नवाचार, तकनीकी ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देना है, जो 21वीं सदी की शिक्षा के लिए आवश्यक है।

इस मौके पर सौरभ तुलस्यान ने कहा, 'यह पुरस्कार मेरे और मेरी टीम के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। हमारा उद्देश्य शिक्षा को अधिक प्रासंगिक और भविष्य–उन्मुख बनाना है। यह सम्मान हमें और भी बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।'

अविष्कार का यह कार्निवल एशिया में तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रमुख मंच है। सौरभ तुलस्यान की उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत और दृष्टिकोण का प्रमाण है, बल्कि यह युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का एक उदाहरण भी है।

गणतंत्र दिवस को भव्यता से मनाने की तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती ।गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाये जाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारी बैठक सम्पन्न हुयी। मुख्य कार्यक्रम 9.30 बजे पुलिस लाईन में आयोजित किया जायेंगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने कहा कि सभी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान संचालित किया जायेंगा।

प्रातः 8 बजे से विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली जायेंगी। प्रातः 08.30 बजे सभी सरकारी कार्यालयों में झण्डा रोहण, राष्ट्रगान के पश्चात संविधान में उल्लिखित संकल्प लिया जायेंगा। शैक्षिक संस्थाओं में प्रातः 10.00 बजे से झण्डारोहण किया जायेंगा।

विद्यालय प्रबंधक अनिल तिवारी को मातृ शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती।सोमवार को भोर में कप्तानगंज विकास खण्ड के दो इंटर कालेजो के प्रबन्धक अनिल कुमार तिवारी की लगभग 95 वर्षीय माता श्रीमती बिमला देवी तिवारी का निधन हो गया है। श्रीमती तिवारी के निधन की खबर जैसे लोगों को मालूम चला तो सुबह से ही शैक्षिक जगत राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण के अलावा हजारों की संख्या में गणमान्य जन्म श्रीमती तिवारी के पैतृक निवास कप्तानगंज विकासखंड के ऐठीडीह पहुँच का अपना श्रद्धा सुमन अर्पित कीये। श्रीमती तिवारी के पार्थिव शरीर को पारिवारिक सदस्यों के अलावा संबंधियों, शुभचिंतकों की उपस्थिति में मोक्षदायिनी मनोरमा के घाट पर पंचत्व को समर्पित कर दिया गया। इस मौके पर मंडलीय सूचना कार्यालय के अश्विनी तिवारी, प्रधानाचार्य डॉ अरविंद मिश्र, प्रधानाचार्य हरिशंकर पाण्डेय, राघवेंद्र पाठक राजेश मिश्रा धनीश कुमार त्रिपाठी राजेश कुमार त्रिपाठी , मनोज तिवारी, राजेंद्र उपाध्याय, बैजनाथ मिश्रा सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

मार्क जकरबर्ग ने किया मोदी सरकार गिरने का दावाः अश्विनी वैष्णव ने दिया करारा जबाब

नई दिल्ली (आभा)। मोदी सरकार गिरने के मार्क जकरबर्ग के दावे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें जमकर सुनाया है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर वैष्णव ने कहा कि मराक्ज जुकरबर्ग खुद ही झूठी जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही निराशाजनक है। उन्हें तथ्यों और विश्वसनीयता का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल मार्क जकरबर्ग ने एक बयान में कहा था कि 2024 का साल दुनिया के लिए काफी कठिन रहा। कोविड 19 के बाद कई देशों में चुनाव हुए और भारत समेत कई देशों की सरकारें गिर गईं।

वैष्णव ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत में 2024 के चुनाव में 64 करोड़ लोगों ने भाग लिया। भारत के लोगों ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भरोसा जताया। जकरबर्ग का दावा है कि भारत समेत ज्यादातर देशों की सरकारें 2024 के चुनाव में गिर गईं जो कि पूरी तरह से गलत है।

उन्होंने कहा, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज, 2.2 अरब मुफ्त वैक्सीन और कोविड के दौरान भारत ने दुनियाभर के देशों की मदद की। भारत सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी का तीसरा कार्यकाल अच्छी सरकार और लोगों के भरोसे का सबूत है। मार्क जकरबर्ग द्वारा गलत जानकारी दिया जाना बहुत ही निराशाजनक है। उन्हें विश्वसनीयता बनाकर रखनी चाहिए।

एक पॉडकास्ट के दौरान मार्क जकरबर्ग ने कहा था कि 2024 दुनियाभर में एक चुनावी साल था। भारत जैसे कई देशों में चुनाव हुए और मौजूदा सरकारें गिर गईं। वैश्विक स्तर पर कोई तो बड़ी वजह थी चाहें वह महंगाई रही हो या फिर आर्थिक संकट। सरकारों के कोविड से लड़ने के तरीके की वजह से भी काफी प्रभाव पड़ा। उन्होंने दावा किया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास में भी कमी आई है।

विधायक अजय सिंह ने महाकुंभ के लिए किया 1300 श्रद्धालुओं को रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए क्षेत्र वासियों को निशुल्क निजी बस सुविधा मुहैया कराकर बड़ी सौगात दी है। उन्होंने रविवार देर शाम 1300 यात्रियों की 22 बसों को जिले की सीमा घघौवा से झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक ने बताया कि क्षेत्र वासियों के लिए यह सुविधा महाकुंभ के अंतिम स्नान महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। निशुल्क महाकुंभ यात्रा के लिए लोगों को रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। यात्रियों के लिए रहने खाने इत्यादि की भी व्यवस्था निःशुल्क कराई गई है। बताया कि यह बसें तीर्थयात्रियों को लेकर महाकुंभ में प्रयागराज जाएंगी, जहां उन्हें दर्शन स्नान कराने के बाद वापस अयोध्या दर्शन कराते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी।

कहा कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा का केंद्र है। पूरी दुनिया की निगाहें महाकुंभ पर टिकी हुई हैं।

इस अवसर पर कटरा कुटी महंथ चिन्मया नंद जी महराज, ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत कृष्ण कुमार सिंह, सरोज मिश्र, बबलू सिंह, रजनीश त्रिपाठी, अनादि मिश्रा, निर्मल सिंह, विकास सिंह, विनोद गुप्ता, पप्पू जयसवाल, संजय पाण्डेय, विजय पटेल, राम ललित पाण्डेय, अमरनाथ सिंह, मंजीत वर्मा, वीरू सिंह, बड़े सिंह, दुर्गेश, लवकुश, राजू, विकास सिंह, सुशील सिंह, अनिल गुप्ता, सीताराम, सचिन, बबलू प्रजापति, मनोज पाण्डेय, संदीप सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सुनील कुमार गुप्ता अध्यक्ष, शेष नरायन, रंजीत महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की बैठक पचपेडिया मार्ग पर स्थित कार्यालय पर चेयरमैन आनन्द राजपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला संयोजक एवं पूर्व जिला महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा की संस्तुति पर सुनील कुमार गुप्ता को जिलाध्यक्ष, शेषनारायण गुप्ता और रंजीत श्रीवास्तव को जिला महामंत्री घोषित किया गया है। उनसे 15 दिन के भीतर कार्यकारिणी गठन करने को कहा गया है।

बैठक में देवेन्द्र श्रीवास्तव, प्रहलाद मोदी, विमल गोयल, मनोज सर्राफ, रामकृष्ण, अनूप अरोरा, सत्येन्द्र पाल सिंह, कुन्दनलाल वर्मा, राजेश सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, दिलीप गुप्ता 'रामजी' आदि ने बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की मजबूती के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिया। कहा कि निश्चित रूप से नये पदाधिकारी कार्यकारिणी का गठन कर व्यापारियों, और उद्यमियों की समस्याओं के समाधान हेतु रचनात्मक पहल करेंगे।

पुलिस के कब्जे से बाबा साहब की प्रतिमा लेकर स्थापित कराने की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोमवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में कलवारी थाना क्षेत्र के देवरिया गांव के नागरिकों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग किया कि पुलिस बाबा साहब की जो मूर्ति देवरिया गांव से उठाकर ले गयी है उसे सम्मान के साथ स्थापित किये जाने के साथ ही ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमें वापस लिये जाय और सरकारी जमीन, चारागाह पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुये उसे खाली कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने बताया कि कलवारी थाना क्षेत्र के देवरिया गांव में पिछले 6 वर्षों से ग्रामीण बाबा साहब की प्रतिमा लगाने के लिये भूमि की मांग कर रहे थे किन्तु उसे उपलब्ध नहीं कराया गया। 11 जनवरी को खाली पड़ी चारागाह की जमीन पर बाबा साहब की प्रतिमा रखवा दिया गया। 12 जनवरी को कलवारी पुलिस उक्त प्रतिमा को उठा ले गई, इससे नागरिकों में रोष है। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नन्दवंशी और बहुजन मुक्ति पार्टी जिलाध्यक्ष बुद्धेश राना ने कहा कि चारागाह की जमीन से अतिक्रमण हटवाकर बाबा साहब की प्रतिमा को स्थापित कराया जाय और दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई कराया जाय। जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, अंजू देवी, कृपाशंकर चौधरी, सुभावती, शशिकला, शिवपाली, शान्ती, किरन, तेरसा, लक्ष्मी, रतना, राधा, विन्दू आदि शामिल रहे।

दुराचार पीड़िता ने किया दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । हर्रैया थाना क्षेत्र के मनिकरपुर निवासिनी एक विवाहिता ने गांव के ही लकीर पुत्र रऊफ और हमीद पुत्र जुम्मन पर सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाते हुये कहा है कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत होने के बावजूद पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही है और वे लगातार धमकी दे रहे हैं कि मुकदमा उठा लो वरना तुमको और तुम्हारी बच्ची को जान से मार देंगे।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक के साथ ही अनेक सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। मांग किया कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने के साथ ही उसके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

मनरेगा में मची लूट पर रोक लगाये सरकार–राजन चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । विश्व ज्ञान क्रान्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन चौधरी और उपाध्यक्ष राना संजय सिंह ने मुख्य सचिव के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर बस्ती समेत समूचे प्रदेश की ग्राम सभाओं में मनरेगा के नाम पर मची लूट पर रोक लगाने और मनरेगा मजदूरों के कार्य करते समय का वीडियो रिकार्डिंग कराने बाद हाजिरी चढवाये जाने की मांग किया है।

भेजे पत्र में राजन चौधरी ने कहा है कि सरकार की मंशा ग्रामीण क्षेत्रों का समुचित विकास करना है किन्तु दुर्भाग्य से इसे संगठित लूट का माध्यम बना दिया गया है जिससे ग्रामीणों को आवश्यक सुविधायें प्राप्त नहीं हो पा रही है और सरकार के धन का दुरूपयोग हो रहा है। पत्र में कहा गया है कि ग्राम प्रधान, सचिव, ग्राम सेवक आदि की मिलीभगत से मनरेगा के नाम पर योजनाओं में लूट मची हुई है और नागरिक तमाशबीन बनने को मजबूर है। वीडियो रिकार्डिंग से इस पर अंकुश लगाया जा सकता है। पत्र में कहा गया है कि अनेक ग्राम प्रधान जेसीबी से काम कराते हैं और उसे मनरेगा श्रमिकों से होना बताया जाता है। यही नहीं अनेक ग्राम प्रधान मनरेगा मजदूरों का हिस्सा भी डकार जाते हैं। इस पर रोक लगाना जरूरी है।

सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गौर विकास खण्ड के बाघाकड़र गांव के नागरिकों ने विष्णु प्रसाद यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग किया है कि दबंगों द्वारा सरकारी जमीन गड़ढे को पाटकर कब्जा कर लेने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कर अवैध कब्जा हटवाया जाय।

जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन में कहा गया है कि बाघाकड़र गांव में गाटा संख्या 493 रकवा 0.0380 हेक्टेयर एवं गाटा संख्या 493 स रकवा 0.060 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में गड्ढे के रूप में दर्ज है। इस पर गांव के ही श्रीराम पुत्र पण्डोही, हनुमान प्रसाद पुत्र सीताराम, रामकिशोर पुत्र लक्ष्मन आदि ने सरकारी जमीन गड्ढे को पाटकर चरन, घारी, शौचालय आदि बनवा लिया है। इससे बरसात के दिनों में गांव के लोगों का पानी गड्ढे में नहीं जा पा रहा है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मांग किया कि सरकारी जमीन से अवैध कब्जे को हटवाया जाय।

पत्र सौंपने के दौरान मुख्य रूप से विक्रम गौतम एडवोकेट, छोटेलाल, मूलचन्द आजाद, कन्हैया, राजकुमार, मनीष, विजय बहादुर, बसन्त लाल, बाबूलाल, विकास कुमार, राहुल कुमार, दिवाकर, श्री प्रकाश, राधेश्याम पिन्टू, बुधिराम, रामजग, मुन्नीलाल, यदुराम, राजित राम, राजमन, रामनवल, भरतराम, रामनाथ, राम औतार, राम कलेश, राजेन्द्र प्रसाद, रामशरन, दिनेश, राम सागर, राम दयाल आदि उपस्थित रहे।

तीन दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को 50– 50 लाख रूपये का आर्थिक सहयोग करेगा टीएससीटी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। टीचर्स सेल्फ केयर टीम 'टीएससीटी' द्वारा बस्ती जनपद के तीन दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को 50– 50 लाख रुपये से अधिक की सहयोग राशि उपलब्ध कराया जायेगा। यह जानकारी देते हुये टीचर्स सेल्फ केयर के जिला संयोजक प्रमोद कुमार ओझा ने बताया कि सोमवार को टीम के सदस्यों, पदाधिकारियों ने दिवंगत शिक्षकों के परिजनों से भेंटकर उनकी स्थिति जानी और आश्वस्त किया कि अति शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध करा दिया जायेगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से प्रमोद ओझा ने बताया कि ऐसे परिषदीय शिक्षक जो अभी केयर टीम से नहीं जुड़े हैं वे जुड़ जाय जिससे किसी भी संकट की स्थिति में सहयोग किया जायेगा। बताया कि प्रदेश के लगभग पौने चार लाख शिक्षक इससे जुड़ चुके हैं। सहयोग राशि का धन उनके परिजनों के खाते में ही उपलब्ध कराया जाता है। टीचर्स सेल्फ केयर टीम के पदाधिकारियों ने सोमवार को रामनगर विकास खण्ड के खैरा निवासी दिवंगत शिक्षक सुरेन्द्र प्रसाद उपाध्याय, परसरामपुर विकास खण्ड क्षेत्र के दुखेडी निवासी दिवंगत शिक्षक शत्रुघ्न प्रसाद वर्मा और अम्बेडकरनगर जनपद के कलेखर निवासी दिवंगत शिक्षक राम सिधार के परिजनों ने मिलकर ढाढस बधाया। इस दौरान राजेश कुमार, दिलीप कुमार, राकेश कुमार श्रीवास्तव, रजनीश मिश्र, अमरचन्द्र वर्मा, राहुल राव, अवधेश कुमार, लक्ष्मण लाल, मनीष पाण्डेय, प्रशान्त द्विवेदी, योगेश्वर शुक्ल, राघवेश उपाध्याय, राजेन्द्र, प्रमोद वर्मा, सुखराज गुप्ता, भरतराम, राम विलास, सत्य प्रकाश सिंह, लालचंद यादव आदि शामिल रहे।

स्वामी विवेकानन्द ने धर्म को जीवन से जोड़ा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । स्वामी विवेकानन्द जयंती के उपलक्ष्य में कबीर साहित्य सेवा संस्थान द्वारा प्रेस क्लब सभागार में साईमन फारूकी के संयोजन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन वृत्त, योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि जब भारत कई टुकड़ों में विभाजित था, भुखमरी, महामारी से देश के अनेक हिस्से प्रभावित थे उस समय युवा सन्यासी ने देश को ऊर्जा देने के साथ ही शिकागो के भाषण से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढाई, उन्होने धर्म को जीवन से जोड़ा और मुसीबत में होम्योपैथ की दवा लेकर सेवा करने निकल पड़े।

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि अपने गुरू स्वामी रामकृष्ण के निधन के बाद विवेकानन्द के जीवन में नया मोड़ दिया। 25 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गेरुआ वस्त्र पहन लिया, उन्होंने पैदल ही पूरे भारतवर्ष की यात्रा की। गरीब, निर्धन और सामाजिक बुराई से ग्रस्त देश के हालात देखकर दुःख और दुविधा में रहे विवेकानन्द करोड़ो युवाओं के प्रेरणा श्रोत बन गये। बी.के. मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द सदा अपने को गरीबों का सेवक कहते थे। भारत के गौरव को देश–देशांतरों में उज्ज्वल करने का उन्होंने सदा प्रयत्न किया। इस परम्परा को आगे बढाने की जरूरत है। अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल जगमग ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। उन्होने स्व रचित स्वामी विवेकानन्द महाकाव्य का अंश सुनाया ' राष्ट्र धर्म जन–जन में गूंजें, हो चहुदिश आनन्द, हो अवतरित धरा पर फिर से एक विवेकानन्द'। उन्होने स्वामी जी के व्यक्तित्व कृतित्व के विभिन्न विन्दुओं पर प्रकाश डाला। तौव्वाब अली, अनुरोध श्रीवास्तव, साद अहमद शाद, रहमान अली रहमान, डा. अफजल हुसेन, डा. सिद्धार्थ कुमार आदि ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द सभी धर्मों का आदर करते थे यही कारण है कि सभी धर्मानुरागियों में उन्हें आदर प्राप्त है। कहा कि स्वामी विवेकानंदजी का दृढ़ विश्वास था कि अध्यात्म–विद्या और भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जाएगा। उन्होने भारतीय दर्शन को विश्व में प्रतिष्ठित किया।

कार्यक्रम में दीपक सिंह प्रेमी, बटुकनाथ शुक्ल, विशाल पाण्डेय, जय प्रकाश गोस्वामी, फूलचन्द चौधरी, दशरथ प्रसाद यादव, अर्चना श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे।

महाकुंभ आरम्भः श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा

प्रयागराज (आभा)। सनातन गर्व के महापर्व का शुभारंभ हो गया। पौष पूर्णिमा स्नान की शुरुआत के साथ ही महाकुंभ 2025 का आगाज हो गया है। सुबह से अब 60 लाख लोगों डुबकी लगा चुके हैं। मंगलवार को मकर संक्रांति का स्नान होगा, इस दिन अखाड़ों का पहला अमृत (शाही) स्नान भी होगा। मकर संक्रांति पर ढाई करोड़ श्रद्धालुओं के त्रिवेणी में डुबकी लगाने का अनुमान है। मेला प्रशासन के मुताबिक शनिवार को 35 और रविवार को 50 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इस प्रकार महाकुम्भ की शुरुआत से पूर्व ही दो दिन में 85 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने की बात कही जा रही है। स्नान के लिए संगम क्षेत्रमें 12

किलोमीटर लंबा घाट तैयार किया गया है।

सनातन के महापर्व में लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लिए संगमनगरी पहुंचे हैं तो बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर को करीब से देखने आ रहे हैं। इनमें से कुछ विदेशियों ने पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व पर संगम में डुबकी लगाई तो उनके मुख से स्वतः निकल पड़ा 'ओह इट्स अमेजिंग'। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ देखकर विदेशी सैलानी आश्चर्यचकित नजर आए।

प्रयागराज में सोमवार को महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पर तड़के घने कोहरे के बीच भारी भीड़ में अपनों से बिछड़े 250 से अधिक लोगों को मेला प्रशासन ने भूले–भटके शिविर के माध्यम से उनके परिजनों से मिलवाया। मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को संभालने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने भूले–भटके शिविर सहित कई भीड़ नियंत्रण पहल की है। इसके अलावा, पुलिस सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं और मेले के लिए विशेष रूप से 'वॉच टावर' लगाए गए हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 14 जनवरी 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

सवालों के घेरे में सूचना का अधिकार

भारत में सूचना आयुक्तों के रूप में सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। जबकि उनका अनुभव मूल्यवान हो सकता है, इस ने संभावित पूर्वाग्रहों और सीमित प्रतिनिधित्व पर बहस छेड़ दी है। इस तरह के प्रभुत्व के निहितार्थ और उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की आवश्यकता का पता लगाता है। आरटीआई ढांचे में स्वतंत्रता और विविधता के बारे में कई चिंताएँ हैं। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों का प्रभुत्व एक संकीर्ण, एकरूप दृष्टिकोण बनाता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में विविधता को कम करता है। सेवानिवृत्त नौकरशाहों को अक्सर प्रतिष्ठान का हिस्सा माना जाता है, जिससे सरकार की कार्रवाइयों को निष्पक्ष रूप से चुनौती देने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। पूर्व सरकारी कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों के प्रति पूर्वाग्रह प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे अपीलों को संभालने में निष्पक्षता कम हो सकती है।

एक सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं। विशिष्ट राजनीतिक दलों से सम्बंध रखने वाले नौकरशाह सरकारी निर्णयों को चुनौती देने में अनिच्छा दिखा सकते हैं, जिससे आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता कम हो सकती है।

सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व का प्रभाव पड़ता है। जब चयन पूल में विविधता का अभाव होता है, तो जनता आरटीआई ढांचे की तटस्थता में विश्वास खो सकती है। सीमित नए दृष्टिकोण वाले नौकरशाहों का प्रभुत्व अक्षमता में योगदान देता है, जिससे आरटीआई अपीलों के प्रसंस्करण में देरी बढ़ जाती है। सीआईसी के 23, 000 अपीलों का बैकलॉग बताता है कि नए दृष्टिकोण के बिना नौकरशाही नियुक्तियाँ नागरिक शिकायतों के समय पर समाधान में बाधा बन सकती हैं। नियुक्तियों में विविधता की कमी के परिणामस्वरूप समान पृष्ठभूमि वाले कुछ व्यक्तियों के हाथों में शक्ति केंद्रित हो जाती है। यह प्रथा नवीन विचारों या दृष्टिकोण में परिवर्तन को रोकती है जो आरटीआई अधिनियम की प्रभावकारिता में सुधार कर सकते हैं। विविध इनपुट के बिना, आरटीआई ढांचा आधुनिक आवश्यकताओं के अनुकूल होने में विफल हो सकता है, जिससे सुधार रुक सकते हैं जो इसे और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। अगर लोगों को लगता है कि निर्णय पक्षपातपूर्ण हैं या पूर्व सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रभावित हैं, तो वे आरटीआई प्रक्रिया से जुड़ने के लिए कम इच्छुक महसूस कर सकते हैं।

योग्य उम्मीदवारों के पूल को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। विभिन्न विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को शामिल करने से निर्णय लेने में व्यापक दृष्टिकोण आएगा। यह आरटीआई ढांचे में विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है। यूके जैसे देशों में, सूचना आयुक्त कानून, पत्रकारिता और शिक्षा जैसे पृष्ठभूमि से आते हैं, जो स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक सार्वजनिक, पारदर्शी चयन प्रक्रिया निष्पक्षता को बढ़ावा देगी और सभी को सूचना आयुक्त की भूमिकाओं के लिए आवेदन करने का समान अवसर देगी। अमेरिका कई सरकारी निगरानी भूमिकाओं के लिए एक सार्वजनिक नामांकन प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो उम्मीदवारों के चयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। कार्यकाल सीमित करने और आयु प्रतिबंध लागू करने से नए दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है और सूचना आयोगों के भीतर गतिशील नेतृत्व की अनुमति मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया जैसे कई राष्ट्र वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यकाल को सीमित करते हैं ताकि दीर्घकालिक रूप से जड़ता से बचा जा सके और नए विचारों को प्रोत्साहित किया जा सके।

नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि आरटीआई प्रणाली जनता की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में गैर–सरकारी संगठनों के सदस्य शामिल हैं, जो विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं। आवेदनों के लिए आउटरीच और जागरूकता का विस्तार करनारू रिक्तियों को सक्रिय रूप से प्रचारित करना और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाना विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमि से उम्मीदवारों को आकर्षित करने में मदद करेगा, जिससे अधिक विविध पूल बनेंगे। न्यूजीलैंड जैसे देश सार्वजनिक क्षेत्र की रिक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों से कुशल पेशेवर आकर्षित होते हैं। आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए, सुधार आवश्यक हैं। विविध क्षेत्रों के पेशेवरों को शामिल करके पात्र उम्मीदवारों के पूल का विस्तार करने से नए दृष्टिकोण आ सकते हैं, पूर्वाग्रह कम हो सकते हैं और जवाबदेही बढ़ सकती है। अधिक समावेशी दृष्टिकोण प्रणाली की पारदर्शिता को मजबूत करेगा, जिससे दीर्घकालिक रूप से जनता का विश्वास बढ़ेगा।

महाकुम्भ में उमड़ी आस्था

—निरंकार सिंह—

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। अनेकता में एकता का जीता–जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला। लोक–पर्व होकर यह मेला सहस्त्र वर्षों से जन–विश्वास का आधार बना रहा है। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा यह महाकुंभ पर्व, भारतीय सामाजिक–सांस्कृतिक अवधारणाओं का जीवन प्रतीक है। कुंभ पर्व, देश के समवेत सांस्कृतिक जीवन का व्यावहारिक उदाहरण है। इन्हीं पर्वों–मेलों ने हमारी भारतीयता (राष्ट्रीयता) को प्राणवान बनाए रखा है।

हजारों वर्षों से चली आ रही कुंभ पर्व की इस सांस्कृतिक विरासत को हमारे देश के मनीषी चिन्तकों, पुराणकारों ऋषि–मुनियों, दार्शनिकों, धर्माधिकारियों अथवा साधु–सन्तों ने लोकांचलों में निवास करने वाले पठित–अपठित साधारण जनों तक पहुंचाया है। इस पर्व भावना के पीछे जीवंत आस्था और निष्ठा भाव ही कार्यशील रहा है। भारत भूमि का यह खंड यदि पवित्र और महत्वपूर्ण है तो इसलिए कि वह बाकी विश्व से जोड़ता है, इसलिए नहीं कि वह उसे दूसरों से अलग करके भूगोल की राष्ट्रीय सीमाओं में बांध देता है। विश्वासों की इन मर्यादाओं के परिवेश में ही एक मानव समूह की जीवन धारा, उसकी लय और लौ रूपायित होती है। यह उसकी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रेरणा स्रोत भी है। यह भावना भारत को या भारतीय सभ्यता को आधुनिक दुनिया के राष्ट्रों और राज्य–तंत्रों से अलग कर देती है। इसलिए हमारी संस्कृति सभ्यता को गुलामी के कालखंड से नष्ट करने की तमाम कोशिशों के बावजूद हम ज्यूं के त्यूं खड़े हुए हैं। कुंभ या महाकुंभ जैसे पर्वोत्सव मेलों से भी हमें यह शक्ति प्राप्त होती रही है।

इस प्रकार शरीर रूपी घट में निहित अमृत तत्व की अनुभूति का विषय हो तो कुंभ–पर्व के रूप में अमृत पद प्राप्ति के लिए युग–युगों से भारतीय जन जीवन को आस्थाशील बनाए हुए है। कुंभ रूप इस लोक पर्व में भी 'मृत्यंर्मामूतं गमय' की कामना, मरणशील मानव के मन को उद्वेलित एवं प्रेरित करती रही है। वही प्रेरणा, अनादि स्रोत सलिला सरिताओं के तट की ओर, भारतीय मन को सदा से आकर्षित करती रही है। निष्कर्ष रूप में कहें तो कह सकते हैं कि इन कुंभ पर्वों ने भौगोलिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाए रखकर राष्ट्रीय जीवन संदर्भों के प्रति जातीय अस्मिता को जागृत करने में अहम भूमिका निभाई है। जब कोई महाकुंभ पड़ता है तब जन भावना, उमंगित हृदय और संकल्पित मस्तिष्क को लेकर कुंभ स्थलों की ओर उमड़ पड़ती है। हर आयु वर्ग एवं जाति–वर्ग के लोग, प्रदेशों की सीमाओं को लांघते हुए गरीब–अमीर के दायरों को तोड़ते हुए अनेक भाषा–बोलियों में शब्द–साधना करते हुए परम अमृत की कामना से अपने 'स्व' (सीमित) को 'पर' (परम) में समर्पित करने के लिए संकल्पशील दिखाई देते हैं।

सागर–सरिताओं के तट पर ऐसे आस्थाशील श्रद्धालुओं के गतिशील चरण, भारत भूमि के कण–कण को, रागात्मक संबंधों से जोड़ते हुए महाराग का वस्त्र बुनते रहे हैं। सरिताओं के तट पर विशाल जन समाज को देखकर ऐसा लगता है मानो नए भाव–विधान वाले ऐसे आस्थाशील लोगों का एक नया नगर ही बस गया हो। यह जन–आस्था निर्जन प्रदेश को भी जनाकूल बना देती है। सालों साल प्रयाग के त्रिवेणी के तट पर कुंभ या अर्द्धकुंभ के बाद इस बार महाकुंभ का पावन अवसर आया है। जहां सैंकड़ों झोंपडियां, लाखों ध्वजा पताकाएं दिखाई देती हैं। यहां नाना वेशधारी साधु–सन्तों के संगठनों की अथवा नाना योगियों की जमातें अपनी परम्पराओं को निभाने के लिए अपनी आन–बान–शान के साथ अपना नाम अस्तित्व प्रदघ्शत कर रही हैं। पवित्र कुंभ का रंग ही ऐसा होता है, जो हर तरह के पर्यटकों को अपनी ओर सहज ही आकर्षित करता है। जो लोग भारत दर्शन के लिए आना चाहते हैं, उन्हें पूरे भारत की विविधता एक जगह सिमटी हुई मिल जाती है और जो लोग आध्यात्मिक टूरिज्म पर आना चाहते हैं, उनके लिए तो इससे भव्य आयोजन कोई हो ही नहीं सकता।

चीनी यात्री ह्यू एन सांग(सन् 629–45ई+) ने अपने यात्रा विवरणों में सम्राट हर्षवर्धन द्वारा प्रयाग के कुंभ–अर्द्धकुंभ पर्वोंपर सर्वस्व दान करने का उल्लेख किया है। इसी प्रकार हरिद्वार में सम्पन्न होने वाले कुंभोत्सवों का भी अपना विशेष महत्व रहा है। अकबर बादशाह ने ऐसे ही अवसरों पर तीर्थ यात्रियों पर लगने वाला जजिया सन् 1564 ई. में उठा लिया था किन्तु औरंगजेब ने हरिद्वार में पडने वाले कुंभ से पहले ही सन् 1678–79 में जजिया फिर से लगा दिया था। इस बार के महाकुंभ को योगी आदित्यनाथ ने दिव्य भव्यता के साथ डिजिटल भी बना दिया है। आज सामाजिक–सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के अवमूल्यन के माहौल में जातीय अस्मिता एवं राष्ट्रीय एकता के खतरों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सांस्कृतिक उत्सवों के समायोजन की बड़ी आवश्यकता अनुभव की जाती है।

सन्नाटे में गुजर गया प्रवासी सम्मेलन

—अशोक मधुप—

आठ से दस जनवरी तक चला 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन अखबारों की सुखियां भी नही बन सका। उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर में हुए इस तीन दिवसीय सम्मेलन की कामयाबी पर न लेख लिखे गए न संपादकीय। ये सम्मेलन एक रूटिन का कार्यक्रम ही बन कर रह गया। सरकार ये वह भी नही बताया कि देश की विकास याजनाओं में बाधक देश में फैले भ्रष्टाचर को रोकने की उसकी क्या योजनाएं हैं? प्रवासी भारतीयों के भारत के विकास में योगदान के लिए आने वाले प्रोजेक्ट की अनुमति आदि की मानिटरिंग के लिए उच्च स्तर पर इसकी देखरेख करने के लिए क्या करने का इरादा हैं? उच्च स्तर पर ये भी देखा जाए कि प्रोजेक्ट की अनुमति में अनावश्यक विलंब तो नहीं किया जा रहा? रिश्वत की चाहत में उद्योगपति को परेशान तो नहीं किया जा रहा?

इस बार के प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का विषय– 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' जरूर रहा किंतु इसमें न कोई निर्णय हुए न कोई विशेष प्रस्ताव। प्रवासियों को भारत के चुनाव में मत देने का अधिकार है, किंतु न वे वोट बनवाने में रूचि रखते हैं, न वोट डालने में। उनसे वोट बनवाने और देश के विकास के लिए अपनी सरकार बनाने के लिए वोट करने की अपील की जा सकती थी किंतु वह भी नहीं की गई। 2003 से मनाना शुरू हुई प्रवासी सम्मेलन अभी तक एक औपचारिकता ही लगा।

भुवनेश्वर में इस प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के उदबोधन से हुई। उन्होंने प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों से शविकसित भारतश के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। ओडिशा को असीमित अवसरों की भूमि बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को प्रवासी भारतीयों से राज्य की विकास यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया।

इस प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए सीएम माझी ने कहा, "ओडिशा सिर्फ अपने गौरवशाली अतीत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं जाना जाताय यह भविष्य के लिए असीम अवसरों की भूमि है।" ओडिशा के निवेशक–अनुकूल वातावरण पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अब भारत में निवेश के लिए सबसे स्वागत योग्य स्थलों में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा, ष्मैं आप सभी से इन अवसरों का लाभ उठाने और अपनी मातृभूमि के विकास और समृद्धि में योगदान देने का आग्रह करता हूं। वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य के रूप में, आप दुनिया के लिए हमारे राजदूत हैं। मैं आपको ओडिशा और भारत के लिए एक उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में हमारे साथ हाथ मिलाने के लिए आमंत्रित करता हूं। हम सब मिलकर 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ को जनवरी, सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज विश्व भारत की बात सुनता है, तथा देश अपनी विरासत के कारण ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को यह बताने में सक्षम है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में निहित है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को भी हरी झंडी भी दिखाई। यह भारतीय प्रवासियों के लिए स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन है, जो दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से चली और तीन सप्ताह तक कई टूरिस्ट प्लेसेज तक जाएगी। विदेश मंत्रालय की प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना के तहत इसका संचालन किया जा रहा है। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम के लिए 70 देशों से तीन हजार से ज्यादा प्रतिनिधि ओडिशा पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को सम्मेलन में चार प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया, जिनमें भारत की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और प्रवासी भारतीयों के योगदान को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस, भारत और उसके प्रवासियों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने वाली एक संस्था बन चुकी है। पीएम मोदी ने उल्ल्लेख किया कि हम सब मिलकर भारत, भारतीयता, अपनी संस्कृति और प्रगति का उत्घ्सव मनाते हैं और साथ ही अपनी जड़ों से जुड़ते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 10 जनवरी के समापन सत्र में प्रवासी भारतीयों को संबाधित किया। और प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि प्रवासी भारतीय हमारे देश की सर्वश्रेष्ठ पहचान हैं। चाहे वह प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कला या उद्यमिता का क्षेत्र हो, प्रवासी भारतीयों ने अपनी ऐसी छाप छोड़ी है जिसे दुनिया स्वीकार करती है और सम्मान देती है।

दुनिया भर से आए सैकड़ों प्रवासी भारतीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर के जनता मैदान में एकत्र हुए। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत और इस आयोजन की तैयारियों को लेकर ओडिशा की सराहना की। प्रवासी भारतीयों ने कहा कि यह आयोजन राज्य की जीवंत सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान कर रहा है।

पचास वर्षों से स्लोवेनिया में रहने वाली एक प्रवासी भारतीय कोकी वेबर ने इस आयोजन में शामिल होने को लेकर खुशी जाहिर की। वह नमस्ते नाम का एक कारोबार चलाती हैं, जिसमें भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने कहा, मैं भारतीय हस्तशिल्प से बने चमड़े के सामान, रेशमी स्कार्फ, अगरबत्तियां और इनर गारमेंट्स बेचती हूं, जो सभी भारत में बने होते हैं। कोकी ने ओडिशा को भारत का एक छिपा हुआ रत्न बताया।

इस सम्मेलन के आयोजन से पूर्व सरकार द्वारा वह नही बताया गया कि अब तक आयोजित 17 प्रवासी सम्मेलन की उपलब्धि क्या है। इसके माध्यम से देश में कितने उद्योग आए।कितनी भारतीय प्रतिभाएं स्वदेश वापिस लौटी। हालांकि यह सर्व विदित है कि प्रवासी भारतीय पहले के मुकाबले अब सूदूर देश में अपने को ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं। वे मानते हैं कि मुसीबत की घड़ी में उनका देश और वहां की सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी होगी और भरसक मदद करेगी।

इस सम्मेलन में केंद्र द्वारा प्रवासियों से भारत के विकास में योगदान की अपील के साथ यह नही बताया गया कि वे देश विकास का माहौल बनाने के लिए क्या कर रहा है। हाल में एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है। चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 66 प्रतिशत कंपनियों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्वॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिश्वत दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिश्वत का 75 प्रतिशत कानूनी, माप–तौल, खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दी गई। जांच रिपोर्ट कहती है कि कई कारोबारियों ने जीएसटी अधिकारियों, प्रदूषण विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग को रिश्वत देने की भी सूचना दी है। पिछले 12 महीनों में जिन कंपनियों ने रिश्वत दी, उनमें से 54 प्रतिशत को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि 46 प्रतिशत ने समय पर काम पूरा करने के लिए भुगतान किया। इस तरह की रिश्वत जबरन वसूली के बराबर है। केंद्र सरकार को इस रिपोर्ट के बारे टिप्पणी करनी चाहिए थी। यह भी बताना चाहिए था कि इस भ्रष्टाचार के नाम पर इस जबरन वसूली रोकने की इसकी क्या योजनांए हैं? देश में उद्योग लगाने के लिए माहौल बनाने के लिए उसकी क्या तैयारी हैं?

अपनों से उलझता इण्डिया गठबंधन

— जगदीश यादव—

कांग्रेस की अपने आधार को बढ़ाने की महत्वाकांक्षा ने भी तनाव को बढ़ावा दिया है। पार्टी ने हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ा और महाराष्ट्र में अधिक सीटों के लिए दबाव बनाया, लेकिन दोनों राज्यों में विफल रही। बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को डर है कि 2025 और 2026 में उनके अपने राज्यों में भी इसी तरह की दबाव वाली रणनीति अपनाई जाएगी। छोटी पार्टियों का तर्क है कि उन्हें उन राज्यों में गठबंधन का नेतृत्व करना चाहिए जहां उनके पास महत्वपूर्ण जन समर्थन है, वे एनडीए का उदाहरण देते हैं, जहां आंध्र प्रदेश में टीडीपी और बिहार में नीतीश कुमार की जेडी(यू) आगे है। खैर जो भी हो जुलाई 2023 में अपने गठन के बाद से, इंडिया गठबंधन ने न तो कोई नेता नियुक्त किया है और न ही कोई संयोजक। ममता बनर्जी ने गठबंधन का नेता बनने में रुचि दिखाई, लेकिन कांग्रेस ने कोई भाव ही नहीं दी।

भारत में गठबंधन की सरकार की बात करना कोई नई नहीं है। लेकिन भाजपा के खिलाफ खासकर मोदी सरकार के खिलाफ जिस तरह से गठबंधन की नाव बन रही है। नाव के नदी में जाने से छेद होती दिख रही है। बहरहाल पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के बीच फूट और अब उद्धव ठाकरे द्वारा अकेले बीएमसी चुनाव लड़ने की घोषणा ने इंडिया गठबंधन में बड़ी दरार पैदा कर दी है। गठबंधन से जुड़े चार प्रमुख नेताओं के क्रियाकलापों ने या तो इसके टूटने के या इसे पूरी तरह खत्म हो जाने के संकेत दिए हैं।

वैसे राजनीति के बारे में तय कुछ भी करना कठिन हो सकता है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसी ही बात कही। हालांकि, कुछ पार्टियों को अभी भी गठबंधन के भविष्य को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। जुलाई 2023 में बेंगलुरु में उक्त गठबंधन की नींव रखी गई थी, जिसमें 26 पार्टियां गठबंधन में शामिल हुई थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान, गठबंधन ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए को चुनौती दी गई थी। नतीजतन, भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं रही। चुनाव में एनडीए ने 296 सीटें जीतीं, जबकि इंडिया गठबंधन ने 230 सीटें हासिल कीं। गठबंधन ने इसे अपनी जीत माना। हालांकि, लोकसभा चुनाव के ठीक आठ महीने बाद, गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया है, बस आधिकारिक घोषणा बाकी है। इस विभाजन के लिए राजनीति के जानकार चार प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं।

आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के मुताबिक, हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद गठबंधन में दरार दिखने लगी थी। कांग्रेस ने अपने अड़ियल रवैये के कारण हरियाणा में एक जीतने लायक चुनाव गंवा दिया, जो गठबंधन के प्रति उसके रवैये तक फैल गया। इससे सहयोगी दल सतर्क हो गए और गठबंधन के भीतर नए नेतृत्व की मांग उठने लगी। हरियाणा चुनाव नतीजों के एक दिन बाद अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। प्रस्तावित 10 सीटों में से दो सीटें कांग्रेस को देने पर सहमति बनी। हालांकि, अखिलेश ने कांग्रेस को सीटें देने से इनकार कर दिया। जबकि, गठबंधन के एक नेता ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई है। लचीला रुख अपनाने के बजाय वह और सख्त होती गई। यह व्यवहार महाराष्ट्र में भी देखने को मिला। पहले कांग्रेस संसद में मुद्दे उठाने से पहले सहयोगी दलों से सलाह लेती थी। लेकिन शीतकालीन सत्र के दौरान यह प्रथा खत्म हो गई और कांग्रेस के नेता स्वतंत्र रूप से काम करने लगे। सपा, तृणमूल और एनसीपी ने उद्योगपति गौतम अडानी जैसे मुद्दों पर कांग्रेस का खुलकर विरोध किया और पार्टी के रुख का समर्थन करने से इनकार कर दिया। देका जाए तो कांग्रेस कथित तौर पर अडानी मुद्दे पर अपने सहयोगियों के समर्थन की कमी से परेशान है, जिसे वह एक बड़ी चिंता मानती है। कांग्रेस को लगता है कि एकता की कमी से उसकी छवि खराब हो रही है और बदले में उसने ऐसे सहयोगियों को प्राथमिकता देना बंद कर दिया है जो ऐसे मुद्दों पर मुखर नहीं हैं।

कांग्रेस की अपने आधार को बढ़ाने की महत्वाकांक्षा ने भी तनाव को बढ़ावा दिया है। पार्टी ने हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ा और महाराष्ट्र में अधिक सीटों के लिए दबाव बनाया, लेकिन दोनों राज्यों में विफल रही। बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को डर है कि 2025 और 2026 में उनके अपने राज्यों में भी इसी तरह की दबाव वाली रणनीति अपनाई जाएगी। छोटी पार्टियों का तर्क है कि उन्हें उन राज्यों में गठबंधन का नेतृत्व करना चाहिए जहां उनके पास महत्वपूर्ण जन समर्थन है, वे एनडीए का उदाहरण देते हैं, जहां आंध्र प्रदेश में टीडीपी और बिहार में नीतीश कुमार की जेडी(यू) आगे है। खैर जो भी हो जुलाई 2023 में अपने गठन के बाद से, इंडिया गठबंधन ने न तो कोई नेता नियुक्त किया है और न ही कोई संयोजक। ममता बनर्जी ने गठबंधन का नेता बनने में रुचि दिखाई, लेकिन कांग्रेस ने कोई भाव ही नहीं दी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)।

पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्करों के पैर में लगी गोली, तीन गिरफ्तार

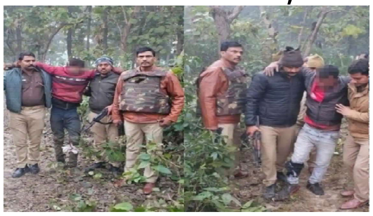

संवाददाता–कुशीनगर। हाटा कोतवाली पुलिस समेत चार थानों की पुलिस ने सोमवार की सुबह मुठभेड़ के दौरान तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से दो तस्करों के पैर में गोली लगी है, जिनका इलाज मेडिकल कॉलेज कुशीनगर में चल रहा है। तस्करों के कब्जे से एक ट्रक, एक पिकअप, 33 प्रतिबंधित पशु, दो अवैध असलहा व कारतूस बरामद किया गया है। मामले में पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी रही।

एसपी संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि सोमवार की सुबह हाटा कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि कुछ शातिर पशु तस्कर ट्रक व पिकअप से एनएच–28 के रास्ते प्रतिबंधित पशुओं को चोरी–छिपे बिहार ले जा रहे हैं। इस सूचना के बाद तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। कोतवाली हाटा, तुर्कपट्टी, तरयासुजान व तमकुहीराज थाने की पुलिस टीम द्वारा तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के कुकुरघा नदी के समीप घाघी पुल के पास घेराबंदी कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई। इसी दौरान एक ट्रक व एक पिकअप आता दिखा। पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया तो गाड़ी में सवार कुछ व्यक्तियों ने जान मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने भी फायरिंग की। इसमें जुम्मन पुत्र जुल्फन निवासी मेहियापार थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़ व अंशु पुत्र राजू निवासी अम्बारी थाना फुलपुर जनपद आजमगढ़ को पैर में गोली लगी और वह घायल हो गए। पशु तस्करों के गिरोह में शामिल भोलू शिल्पकार पुत्र रामजीत निवासी रकबा जलालपुर थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़ भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे पुलिस ने काम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि तस्करों के पास से 33 प्रतिबंधित पशु, दो लकड़ी का गोलाकार ठिहा, दो धारदार लोहे का बाका, रस्सी, दो अवैध असलहा व चार कारतूस व दो खाली कारतूस बरामद किया गया है। घायल तस्करों का पुलिस अभिरक्षा में मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। मामले में तुर्कपट्टी पुलिस केस दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है। पूछताछ के दौरान तस्करों ने बताया कि वे छुट्टा घूम रहे प्रतिबंधित पशुओं को चोरी–छिपे वाहनों में भरकर बिहार पहुंचाते हैं। जुम्मन के खिलाफ आजमगढ़ जिले में दो मामले दर्ज हैं। गैंगस्टर के तहत भी उस पर कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में सुशील शुक्ल, एसओ तमकुहीराज अमित शर्मा, एसओ राजप्रकाश सिंह व एसओ संजय कुमार शामिल रहे।

जिले में फर्जी शिक्षको की मांगी गई सूची

संवाददाता–देवरिया। जिले में कूट रचित प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी करने वाले जिले के 87 शिक्षकों को बर्खास्त किया जा चुका है। वहीं कुछ शिक्षकों की जांच चल रही है। अब बेसिक शिक्षा परिषद ने जिले के फर्जी शिक्षकों के बारे में पूरी जानकारी मांगी है। विभाग फर्जी प्रमाण पत्रों पर हुई कार्रवाई और चल रही जांच के बारे में जानकारी एकत्र कर रहा है।

जिले में फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रहे शिक्षकों की जांच वर्ष 2017 से एसटीएफ कर रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अब 87 शिक्षकों को बर्खास्त किया जा चुका है। इसमें से अलग–अलग तहसील क्षेत्र के 48 शिक्षकों को वेतन की वसूली के लिए आरसी जारी की जा चुकी है। बर्खास्त शिक्षकों से 1.25 करोड़ वसूली की जानी है। वहीं अभी भी कुछ शिक्षकों की जांच चल रही है।

अब फर्जी शिक्षकों के बारे में बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने प्रदेश के सभी बीएसए को पत्र भेजकर आठ बिन्दुओं पर सूचना मांगी है। जिसमें मंडल, जिले का नाम, फर्जी व नियम विरुद्ध शिक्षकों की संख्या, सेवा समाप्त शिक्षकों की संख्या, प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराए गए प्रकरणों की संख्या, रिकवरी प्राप्त प्रकरणों की संख्या के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी तलब किया गया है। इसके बाद विभाग के कर्मचारी सूचनाओं को एकत्र करने में जुटे हुए है।

शालिनी श्रीवास्तव, बेसिक शिक्षाधिकारी ने कहा कि जिले में पिछले कुछ वर्षों में फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वाले शिक्षकों को विभाग से बर्खास्त किया गया है। उनके विरुद्ध अलग–अलग थानों में मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद विभाग ने बर्खास्त शिक्षकों से वेतन मद के रुपये के लिए पत्राचार किया गया था। इसके बारे में बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव ने जानकारी मांगी है। जिसे जल्द से जल्द उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मंदिर के पुजारी की धारदार हथियार से नृशंस हत्या, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–कुशीनगर। बरवा पट्टी थाना क्षेत्र के गोबरहा टोले पर स्थित मंदिर के पुजारी की बीती रात मंदिर के अंदर ही हत्या कर दी गई है। हत्या धारदार हथियार से काट कर किए जाने की बात सामने आई है। भोर होते ही आग की तरह फैले इस घटना की खबर के बाद बड़ी संख्या में आस पास के गांव के ग्रामीण मंदिर पर जुट गए। लोग बेहद आक्रोशित थे। भोर में घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चली गई जबकि मंदिर परिसर में फैले खून को भी धुलवा दिया। लोगों की इसकी जानकारी हुई तो बड़ी संख्या लोग परिसर में जुट गए। लोग इस घटना को लेकर बेहद आक्रोशित हो गए। पूर्व विधायक अजय लल्लू भी मंदिर पर पहुंचे। आक्रोशित लोग स्थानीय पुलिस के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए नारेबाजी करने लगी। लोगों का आरोप है कि पुलिस ग्रामीणों को विश्वास में तथा पंचनामा किए बगैर

पुजारी का शव हटा दिया गया। लोगो को पुजारी का अंतिम दर्शन भी नहीं करने दिया गया। लोग बरवा पट्टी के प्रभारी निरीक्षक की भूमिका तथा घटना के बाद उनके कार्य व्यवहार को लेकर ज्यादा आक्रोशित है। पुलिस के मुताबिक घटना रात के लगभग दो बजे की है। भोर होते ही मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने खून के निशान तथा अन्य सबूत जुटा लिया था। सीओ तमकुही के साथ, विशुनपुरा, सेवरही, तुर्कपट्टी, कुबेर स्थान, की पुलिस मौके पर पहुंच गए थे। सुबह होते ही अपर पुलिस अधीक्षक रितेश सिंह भी पहुंच गए। बावजूद लोगो का गुस्सा नियंत्रित नहीं हो पा रहा था। कुछ देर बाद ही मौके पर पहुंचे पुलिस कप्तान संतोष मिश्र ने हैंड माइक से सीधे भीड़ से मुखातिब हुए। उन्होंने भोजपुरी में संवाद कायम कर लोगो को बड़ी देर तक समझाया तब जाकर लोग कुछ शांत हुए।पुलिस कप्तान ने बताया कि कई टीम अलग अलग काम कर रही है। बहुत जल्द हत्यारों को पकड़ लिया जाएगा। यू होने लोगो से धैर्य बनाए रखने और सहयोग की अपील की।

स्कूल से गायब छात्र एक घंटे में बस्ती से बरामद

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज शहर के एक निजी स्कूल से गायब छात्र को एसओजी टीम ने बस्ती पुलिस के सहयोग से एक घंटे में ही बरामद कर लिया। छात्र बस में सवार होकर लखनऊ की तरफ जा रहा था। लोकेशन ट्रेस करने के बाद एसओजी ने बस्ती पुलिस से छात्र को बरामद करने में सहयोग मांगा था। बस्ती पुलिस ने एक टोल के पास के पास बस को रोक छात्र को बरामद कर लिया। इसके बाद स्वाट टीम छात्र को महाराजगंज लाने के लिए बस्ती रवाना हो गई। निचलौल कस्बे का एक 14 वर्षीय छात्र शहर के एक निजी स्कूल में पढ़ता है। सोमवार को वह विद्यालय वाहन से स्कूल के लिए निकला। महराजगंज आने के बाद वह स्टाफ को चकमा देकर गायब हो गया। कक्षा में हाजिरी के दौरान वह अनुपस्थित मिला। इसके बाद कक्षाध्यापक ने स्कूल वाहन के अटेंडेंस से मिलान कराया। इस दौरान पता चला कि बच्चा घर से वाहन से स्कूल आया है। यह देख विद्यालय ने फौरन परिजनों को फोन कर छात्र के बाबत पूछताछ किया। परिजन भी परेशान हो गए। अपने स्तर से ढूंढने लगे। कुछ लोग गोरखपुर तक पहुंच गए। जांच–पड़ताल में यह पता चला कि छात्र घर से दस हजार रुपया भी लेकर आया है। अपराह्न दो बजे छात्र के चाचा ने पुलिस से गुहार लगाई।

एसपी सोमेन्द्र मीना के निर्देश पर एसओजी प्रभारी योगेश प्रताप सिंह, स्वाट प्रभारी अखिलेश प्रताप, सर्विलांस सेल प्रभारी अजीत प्रताप छानबीन में जुट गए। छात्र का सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल लोकेशन को ट्रेस किया जाने लगा। पता चला कि छात्र गोरखपुर–लखनऊ रोड पर बस्ती पर है। लोकेशन लगातार बदल रहा है। इसके बाद जिले की पुलिस ने बस्ती पुलिस से छात्र को बरामद करने में सहयोग मांगा। बस्ती पुलिस एक टोल के पास पहुंच उस बस का इंतजार करने लगी, जिसमें छात्र सवार था। बस आने के बाद बस्ती पुलिस ने उसे रोक कर छात्र को नीचे उतारकर अपनी अभिरक्षा में ले लिया। छात्र को वापस लाने के लिए स्वाट टीम प्रभारी अखिलेश प्रताप बस्ती रवाना हो गए। छात्र के मिलने की सूचना से परिजनों के चेहरे पर खुशी की लहर आ गई है। त्वरित कार्रवाई के लिए परिजनों ने एसपी समेत एसओजी, स्वाट, सर्विलांस के साथ जिले की पुलिस के प्रति आभार जताया है। बच्चे के गायब होने की सूचना मिलने पर पुलिस एक्टिव हो गई। एक घंटे के अंदर बस्ती पुलिस के सहयोग से उसे बरामद कर लिया गया है। बच्चे को बस्ती से लाया जा रहा है। परिजनों को उसे सुपुर्द कर दिया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश ने जारी किया 5 दिन का स्थानीय अवकाश

संवाददाता–कुशीनगर। जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने बताया कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा जनपद न्यायालयों के प्रयोग के लिए जारी कैलेण्डर वर्ष 2025 में निर्देशित किया है कि जनपद न्यायाधीश पांच दिन का स्थानीय अवकाश जिला मजिस्ट्रेट से विचार–विमर्श करके निश्चित एवं घोषित करेंगे। यदि कैलेण्डर में वर्णित कोई राष्ट्रीय व अन्य अवकाश, द्वितीय शनिवार या रविवार को पड़ता है, तो जनपद न्यायाधीश उसके स्थान पर अतिरिक्त दिवस को अवकाश के रूप में घोषित कर सकते हैं। उन्होंने जनपद सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कुशीनगर स्थान पडरौना द्वारा जनपद न्यायालय कुशीनगर में स्थानीय अवकाश घोषित करने के संबंध में प्रेषित प्रस्ताव के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट कुशीनगर से विचार–विमर्श करके जनपद दीवानी न्यायालय कुशीनगर स्थान पडरौना एवं बाह्य दीवानी न्यायालय कसया कुशीनगर में पांच स्थानीय अवकाश घोषित किया है। उन्होंने बताया कि 14.01. 2025 दिन मंगलवार को मकर संक्रान्ति। 29.01.2025 दिन बुधवार मौनी अमावस्या। 15.03.2025 दिन शनिवार होली का पर्व। 28. 03. 2025 दिन शुक्रवार अलविदा (रमजान महीने का अन्तिम शुक्रवार)। 05.04.2025 दिन शनिवार अष्टमी (राम नवमी के पूर्व)। 01.10.2025 दिन बुधवार अष्टमी (महानवमी दशहरा के पूर्व)। गणतंत्र दिवस 26. 01.2025 रविवार को पड़ने के स्थान पर 23. 10. 2025 दिन गुरूवार को भैय्यादूज। राम नवमी अवकाश 06. 04.2025 रविवार को पड़ने के स्थान पर 28. 10. 2025 दिन मंगलवार सूर्यषष्ठी (छठ) पूजा। मोहर्रम अवकाश 06. 07.2025 रविवार को पड़ने के स्थान पर अवकाश रहेगा।

स्वामी स्वरूपानंद महाराज प्रेम नगर आश्रम बरौली में दी गई श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।परम तपस्वी अवतारी महापुरुष स्वामी आत्मानंद परमहंस महाराज संस्थापक श्री प्रेम नगर आश्रम बरौली गोपालगंज बिहार के महान विद्वान सिद्ध संत हुए जिनसे प्रभावित होकर हजारों लोगों ने भक्ति में आकर के भगवान का अनुभूति किया ऐसे महापुरुष के प्रथम शिष्य सरलता सौम्यता के धनी भगवत प्राप्त श्री प्रेम नगर आश्रम के अध्यक्ष पूज्य साकेतवासि महंत श्री स्वरूपानंद महाराज के गुरु लोग धाम गमन के उपलक्ष्य में आयोजित श्री स्वरूपानंद जी के षोडषी भण्डारे उनके 1 मात्र विरक्त शिष्य उत्तराधिकारी में निजानंद महाराज के संयोजन में शिष्यो के द्वारा किया जा रहा है, साकेतवासि स्वामी स्वरूपानंद परमहंस महाराज ने अपने उम्र को देखते हुए स्वस्थ अवस्था में ही आश्रम के सभी शिष्य परिकर सदस्यों के साथ विगत 2 वर्ष से पूर्व ही अपने आश्रम के परम्परा के अनुसार स्वामी निजानंद को गुरु दीक्षा नाम करन पट्भाषेक कर के अपने आश्रम का उत्तराधिकारी में नियुक्त किया हजारों कि संख्या में श्रद्धालु के द्वारा ताकि आश्रम का भोग राग उत्सव दैनिक पूजन वा सभी क्रार्यक्रम परम्परागत तरीके से हो सकें शिष्य परिकर को नवयुवक सुयोग्य स्वामी मिले निजानंद के उत्तराधिकारी महंत बनते ही आपे दिन उन्नति प्रगति होने लगी कथा सत्संग शिष्यों का नवयुवकों का जुड़ाव काफी बढ़ने लगा। स्वामी निजानंद ने अपने गुरु श्री स्वरूपानंद का खूब सेवा किया तन मन धन से समर्पित हों कर के षोडषी भण्डारे में प्रातः समाधि पूजन वैदिक रीति से हवन सत्संग भजन श्रद्धांजलि के उपरांत संतों महंतो वा आये हुए हजारों भक्तों ने स्वामी निजानंद जी को चादर ओढाकर तिलक माला धारण कराकर महंत बनाया वा भंडारे का प्रसादी ग्रहण किया। इस मौके पर उपस्थित गोपालगंज के मं सत्यदेव दास, मं रितेश दास, मं बृजमोहन दास, अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण, गणेश सिंह, अक्षयलाल, नग नारायण सिंह, नेहाल उपाध्याय, मंटू सिंह, योगेंद्र उपाध्याय, राजेश्वर सहनी, गजेंद्र दास, रामेश्वर चौधरी, मिथलेश मिश्रा, संदीप मिश्रा आदि उपस्थित रहे मौके पर आयें हुए सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार श्री प्रेम नगर आश्रम बरौली गोपालगंज के महंत स्वामी निजानंद ने किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में पुलिस टीम का परचम

संवाददाता–गोण्डा। स्थानीय तुलसी स्मारक इंटर कालेज के मैदान में स्वर्गीय धर्मेंद्र प्रताप बल्लू सिंह की स्मृति में आयोजित आठ दिवसीय प्रीमियर क्रिकेट लीग में फाइनल मुकाबला पुलिस लाइन गोंडा और क्रिकेट क्लब जरवल के बीच खेला गया। इसमें पुलिस टीम 99 रनों से विजयी रही। विजेता टीम को नकद पुरस्कार और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। फाइनल मुकाबले में क्रिकेट क्लब जरवल की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंद बाजी का निर्णय लिया। बल्लेबाजी के लिए उतरी पुलिस लाइन गोंडा की टीम ने 15 ओवर में छह विकेट खोकर 212 रन बनाए। जवाब में जरवल की टीम 11. 04 ओवर में 113 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। 99 रनों से जीती पुलिस लाइन गोंडा टीम के खिलाड़ी मो. कैफ ने एक ओवर में चार विकेट लिए। कैफ को मैन आफ द मैच घोषित किया गया। क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह की ओर से विजेता हुई पुलिस टीम को ट्राफी के साथ 25 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं, सीरीज के 24 खिलाड़ियों में 15 हजार रुपये व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक की भूमिका में अम्पायर भोले सिंह व शैलेश सिंह व रेफरी पवन सिंह, चेयरमैन वासुदेव सिंह, प्रतिनिधि सूरज सिंह रहे।

प्रधान ने 25 लोगों को वितरित किया कम्बल

संवाददाता–श्रावस्ती। तहसील इकौना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लक्ष्मी भारी में सोमवार को भीषण ठंड से बचाव के लिए 25 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया। कम्बल का वितरण ग्राम प्रधान हजरत अली व क्षेत्रीय लेखपाल दिलीप कुमार यादव तथा बीसी सखी रजनी मिश्रा ने किया।

वाइस संस्था द्वारा वैदिक विद्यार्थियों को वितरित किया गया कम्बल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। ठंड के प्रचंड प्रकोप को देखते हुए वाइस वालंटरिंग ऑर्गेनाइजेशन फॉर इंटीग्रेटेड कम्यूनिटी एम्पावरमेंट द्वारा श्री वैदिकादर्श संस्कृत महाविद्यालय, सरयूबाग श्रीअयोध्या धाम में अध्ययनरत वैदिक विद्यार्थियों को सामूहिक रूप से कम्बल वितरित किए गए। संस्था ने यह सेवा कार्य विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया, जिससे उन्हें शीत ऋतु में राहत मिल सके।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष पवन पाण्डेय ने कहा कि समाज में जरूरतमंदों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। उन्होंने यह भी बताया कि संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है और भविष्य में भी समाजहित में नई योजनाओं को लागू करेगी।इस अवसर पर पावन भारत टाइम्स दैनिक के हेड न्यूज एडिटर मनोज कुमार मिश्रा, महाविद्यालय के प्राचार्य शर्वेंद्र कुमार सिंह, मोहित मिश्रा सहित संस्था से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और संस्था के इस पुनीत कार्य की सराहना की।कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने भी संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे सहयोग की उम्मीद जताई। संस्था द्वारा किया गया यह सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला है।

मासूम आद्या ने सिर्फ 38.38 सेकेंड में संविधान की प्रस्तावना सुनाया, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होगा नाम

संवाददाता–गोण्डा। जिस उम्र में बच्चे ठीक से बोल भी नहीं पाते उस उम्र में शहर की बेटी आद्या मिश्रा ने संविधान की प्रस्तावना को कंठस्थ करके अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होगा। शहर के न्यू इंदिरा नगर कॉलोनी निवासी एक निजी स्कूल में पढ़ने वाली आद्या मिश्रा ने महज 38. 38 सेकंड के अंदर भारतीय संविधान की आत्मा और कुंजी कहे जाने वाले प्रस्तावना को कंठस्थ कर लिया। वह प्रस्तावना मौखिक सुना देती हैं। आद्या के पिता अरुण कुमार मिश्रा परिषदीय विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में वह भी सिविल सेवा की तैयारी कर रहे हैं। पिता का कहना है कि छोटी उम्र में बेटी की इस उपलब्धि से परिवार के लोग गदगद हैं।

पिता का कहना है कि आद्या अपनी कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करती हैं। इसके अलावा विभिन्न गतिविधियों में एक्टिव रहती हैं। इतना ही नहीं, बच्ची अपनी मेधा का परिचय देते हुए भारत के संविधान की प्रस्तावना को बिना रुके सुना देती है। अरुण कहते हैं कि हमारे देश के संविधान की प्रस्तावना के शब्द अत्यंत जटिल और व्यापक अर्थ से परिपूर्ण हैं। जिसे एक वयस्क को पढ़ने और कंठस्थ करने में समस्या आती है। यहां तक कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों को भी इसे याद करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ऐसे में 4 साल की नन्हीं आद्या ने इसे कंठस्थ कर 38. 38 सेकंड में मौखिक सुना करके एक मिसाल कायम की है जो सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने बताया कि इस उम्र में बच्चों की स्मरण शक्ति काफी तीव्र होती है जिससे बच्चे जो कुछ भी कंठस्थ करना चाहें कर सकते हैं बस आवश्यकता है उन्हें सही दिशा देने और मार्गदर्शन करने की। भारत के संविधान के प्रस्तावना को सबसे कम उम्र की बच्ची द्वारा 38.38 सेकंड के अंदर सुनाने के लिए आद्या मिश्रा का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होने जा रहा है। इसकी जानकारी आईबीओ टीम ने सूचना भेजी है।

जगतगुरु रामानुजाचार्य के 75 वें अमृत जयंती महोत्सव का हुआ शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री रामनगरी की प्राचीन पीठ श्रीउत्तर तोताद्रिमठ, विभीषणकुंड के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमज्जगतगुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज के 75 वें अमृत जयंती महोत्सत का शुभारंभ सप्तदिशेष श्री हनुमंत भागवत कथा से हुई। महोत्सव का शुभारंभ कोसलेस सदन पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर महाराज ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महाराज श्री का 75 वां वर्धापन महोत्सव हम लोग मना रहे हैं। जिसे अमृत जयंती महोत्सव का नाम दिया गया है। यह हम सबके के लिए बहुत ही खुशी की बात है कि हम सब उनके 75 वें अवतरणोत्सव पर शामिल हुए हैं।

महाराज श्री दीर्घायु–शतायु हों। वह स्वस्थ और निरोगी रहें। यहीं अयोध्यानाथ सरकार से कामना है। उन्होंने कहा कि 5 सौ वर्षो के लंबे संघर्ष बाद प्रभु श्रीरामलला अपने निज मंदिर में विराजमान हुए। जिनका हम सबने प्रथम प्रतिष्ठा वर्षगांठ महोत्सव भी मनाया। यह हम लोगों के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है। सभी मनुष्यों को मानवता की शिक्षा देने के लिए प्रभु श्रीराम मनुष्य रूप में सप्तपुरियों में प्रतिष्ठित श्रीअवधपुरी में पधारते हैं। भगवान श्रीराम के जीवन चरित्रों में से एक चरित्र भी हम अपने अंदर उतार लें। तो निश्चित ही हमारे मानव जीवन में कली का प्रभाव व्याप्त नहीं होगा। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम प्रभु के सभी जीवन चरित्र प्रेरणास्पद हैं। श्रीअवधपुरी में एक क्षण निवास कर लेने से करोड़ों जन्मों के हमारे पाप नष्ट होकर पुण्य उदित होते हैं। वहीं व्यासपीठ पर विराजमान ख्यातिलब्ध कथाव्यास एवं उत्तर तोताद्रिमठ पीठाधीश्वर श्रीमज्जगतगुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज ने भक्तजनों को प्रथम दिवस की श्रीमद्भागवत कथा का रसास्वादन कराया। भागवत कथा सुनकर भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए।

श्रीबालदेशिक सोपान ट्रस्ट उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड के मैनेजर एवं ट्रस्टी केशव नारायण दूबे द्वारा पधारे हुए संत–महंतों, जगतगुरु, महामंडलेश्वरों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र ओढ़ा, भेंट–विदाई देकर स्वागत–सम्मान किया। अमृत जयंती महोत्सव को श्रीराम जानकी मंदिर बड़ा स्थान सतना, मध्य प्रदेश के श्रीमज्जगदगुरू रामानुजाचार्य स्वामी धरणीधराचार्य महाराज अपना पावन सानिध्य प्रदान कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन स्वामी रामचंद्राचार्य महाराज ने किया। इस अवसर पर अयोध्या धाम विशिष्ट संत–महंत, जगतगुरु, महामंडलेश्वर उपस्थित रहे।

ऋण योजना में प्रशिक्षण की बाध्यता में राहत

संवाददाता–महराजगंज। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के लिए एक ओर जहां एक सप्ताह पहले ही ऑनलाइन आवेदन शुरू हुआ है। वहीं अब इसमें सरकार ने प्रशिक्षण की बाध्यता में भी शिथिलता दिया है। यानी अब इसमें बिना प्रशिक्षण वाले भी आवेदन कर बिना ब्याज के पांच लाख रूपये तक का कर्ज ले सकते हैं। लेकिन बाद में प्रशिक्षण प्रमाण पत्र लगाना होगा। महराजगंज में एक हजार बेरोजगार युवक युवतियों को इस ऋण योजना का लाभ दिया जाना है। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र अभिषेक प्रियदर्शी ने इच्छुक लोगों को आवेदन कर लाभ लेने की अपील की है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के लिए बीते सप्ताह से ऑनलाइन आवेदन शुरू किया गया है। लेकिन इसमें प्रशिक्षण प्राप्त लोगों को ही लाभ दिए जाने का प्रावधान था। लेकिन अब प्रशिक्षण की अनिवार्यता में ढील दिया गया है। बिना प्रशिक्षण के भी आवेदन किया जा सकता है। बाद में प्रशिक्षण प्राप्त करके उसका प्रमाण पत्र लगाना होगा। इस योजना का लाभ लेने केलिए आवेदक की उम्र 21 वर्ष से 40 वर्ष तक की उम्र होना चाहिए। इससे कम या अधिक उम्र वालों के लिए यह योजना नहीं है। इस योजना की सबसे बड़ी खास बात यह है कि इसमें सेवा या निर्माण, उत्पादन किसी कार्य के लिए ऋण प्राप्त किया जा सकता है। चयन के बाद आवेदन को उद्योग व सेवा क्षेत्र की अधिकतम पांच लाख रुपये तक की परियोजना के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। जिसे चार वर्ष के अंदर लौटाना होगा। चार वर्ष के भीतर समय से कर्ज चुकाने पर फिर से कर्ज दिया जाएगा। दूसरे चरण के कर्ज में अधिकतम दस लाख रुपये तक कर्ज दिया जाएगा। लेकिन इसमें 50 प्रतिशत धनराशि ब्याजमुक्त रहेगी। शेष 50 प्रतिशत धनराशि पर पांच प्रतिशत की दर से ब्याज लगाया जाएगा। दूसरी बार के कर्ज को तीन वर्ष में चुकाना होगा। परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत टर्मलोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि भवन का क्रय सम्मिलित नहीं होगा। द्वितीय चरण की परियोजना में कोई मार्जिन मनी सब्सिडी नहीं दिया जाएगा।

अभिषेक प्रियदर्शी, उपायुक्त जिला उद्योग एवं प्रोत्साहन केंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्वरोजगार योजना में प्रशिक्षण की अनिवार्यता समाप्त कर दिया गया है। अब इसमें कोई 21 से 40 वर्ष के बीच वाले कोई भी पात्र आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। शर्त यह है कि आवेदक को बाद में प्रशिक्षण लेकर दस्तावेज को लगाना होगा।

मूर्ति बरामद न होने पर आमरण अनशन की चेतावनी

संवाददाता–श्रावस्ती। बीते पांच जनवरी को कोतवाली भिनगा के लक्ष्मनपुर बाजार स्थित मंदिर से अष्टधातु की तीन मूर्तियां चोरी हो गई थी। अभी तक पुलिस के हाथ चोरों तक नहीं पहुंचे हैं और मूर्तियों की बरामदगी नहीं हो पाई है। राष्ट्रीय समाज सेवा दल ने एसपी को पत्र देकर मूर्तियां बरामद कराने की मांग की है और बरामद न होने से आमरण अनशन की चेतावनी दी है।

राष्ट्रीय समाज सेवा दल (हिन्दु आर्मी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित प्रेम नारायण पांडेय ने पदाधिकारियों के साथ सोमवार को एसपी घनश्याम चौरसिया से मुलाकात की। उन्होंने एसपी को पत्र देकर चोरी हुई मूर्तियों को बरामद कराने की मांग की। प्रेम नारायण पांडेय ने कहा कि पांच जनवरी को लक्ष्मनपुर बाजार के श्रीराम जानकी मंदिर से श्रीराम, माता सीता व लक्ष्मण जी की मूर्ति चोरी हो गई थी। मूर्तियों को चोरी हुए एक सप्ताह बीत चुके हैं। प्रशासन के सुस्त होने से अभी तक मूर्तियों का पता नहीं चला है। यदि शीघ्र मूर्तियां बरामद नहीं की गईं तो 16 जनवरी से समस्त मंदिर के पुजारी व लोग संगठन के साथ अनिश्चित कालीन के लिए आमरण अनशन करने को मजबूर होंगे। जिसके लिए शासन व प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस मौके पर लक्ष्मी निवास तिवारी, राज कुमार सोनी, विमल पाठक, विद्याराम शुक्ल, उमाशंकर गुप्ता, उदय प्रताप तिवारी आदि मौजूद रहे।

जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय मनीषा मानती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है। धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं। धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। इस परिप्रेक्ष्य में धर्म साधना से जुड़े जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता के समान है। सीएम योगी सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों को समझने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान दे रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आयुर्वेद, योग और नाथपंथ का मानवता के प्रति योगदान विषय पर केंद्रित अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की मान्यता है कि चराचर जगत पंचभूतों से बना है। इन्हीं पंचभूतों से हमारा शरीर भी बना है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने भी कहा है कि पिंड में ही ब्रह्मांड समाया है। जो तत्व ब्रह्मांड में है वही हमारे शरीर में भी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय मनीषा में हर व्यक्ति के जीवन का एक अभीष्ट होता है, धर्म के पथ पर चलते हुए मोक्ष की प्राप्ति करना प्रति करना। धर्म की साधना के लिए स्वस्थ शरीर की अपरिहर्ता हमारे ऋषियों, मुनियों ने बताई है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद, योग और नाथपंथ, तीनों नियम–संयम पर जोर देते हैं। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं तो वही योग में भी हठयोग, राजयोग, ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां, तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं और वह मार्ग है नियम–संयम। सीएम योगी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नियम–संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंतःकरण की शुद्धि नियम–संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है। उन्होंने कहा कि योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। सीएम योगी ने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। नाथ जनेऊ की उपयोगिता उसे योगी की दीक्षा के समय बताई जाती है। योग हर नाथ योगी के जीवन का अभिन्न हिस्सा होता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोरखनाथ ने चेतना के उच्च आयाम तक पहुंचाने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने चेतन मन के साथ ही अवचेतन और अचेतन मन को साधने की क्रिया भी सिखाई है। मानव मन, बिना साधना के जितना चेतन होता है वह संपूर्ण चेतना का बहुत छोटा भाग है। योग के माध्यम से साधना की चरम सीमा पर जाकर हम अवचेतन और अचेतन मन के रहस्यों को उद्घाटित कर सकते हैं। नाथ योगियों की साधना का उद्देश्य भी यही रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शरीर की यही साधना अष्ट सिद्धियों और नौ निधियों को प्राप्त करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने प्राचीन ज्ञान के धरोहरों से हमने दूरी बनानी प्रारंभ की तो एक समय ऐसा भी आ गया कि भारतीय हीन भावना का विषय बन गए। अपने दिव्यज्ञान के स्रोत से वंचित होते गए। हमारी प्राचीन आयुर्वेद की दवाओं को बाहरी लोगों ने पेटेंट करना शुरू कर दिया। पर, आज यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत की प्राचीन ज्ञान धारा, आयुर्वेद और योग को फिर से प्राचीन गौरव प्राप्त हो रहा है। पूरी दुनिया एक बार फिर आयुर्वेद और योग के प्रति केंद्रित होकर भारत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ ने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति अति प्राचीन है। सृष्टि के कालखंड की सबसे प्राचीन संस्कृति भारतीय संस्कृति को माना जाता है। अलग–अलग कालखंड में ऋषियों, मुनियों ने अपनी ज्ञान के धारा के अनुभव से इसे नया आयाम प्रदान किया। पहले ज्ञान की परंपरा गुरु शिष्य के माध्यम से श्रवण परंपरा थी। उसे लिपिबद्ध करने का कार्य महर्षि वेदव्यास ने चार संहिताओं के माध्यम से किया। महर्षि वेदव्यास ने न केवल चार वेदों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की रचना की बल्कि उन्होंने श्रीमद्भागवत पुराण समेत 18 पुराणों की रचना को भी ज्ञान से जोड़कर भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया। महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित श्रीमद्भागवत पुराण आज भी भारत वासियों को धर्म का सही मार्ग दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोक्ष या मुक्ति सिर्फ मरण से नहीं मिलती है बल्कि श्रीमद्भागवत के अनुसार धर्म के पथ पर चलते हुए सफलता के चरम पर पहुंचना ही मोक्ष है। महर्षि वेदव्यास ने भागवत पुराण के माध्यम से यह शिक्षा दी है कि सभी लोग धर्म के मार्ग का अनुसरण करें। धर्म के मार्ग का अनुसरण करने पर अर्थ और कामनाओं की भी सिद्ध हो सकती है।

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय मनीषा ने धर्म को उपासना तक सीमित नहीं माना है। धर्म का स्वरूप विराट परिप्रेक्ष्य में निर्धारित किया गया है। कर्तव्य, सदाचार और नैतिक मूल्य के विशिष्ट जीवन पद्धति को समग्र रूप में भारतीय मनीषा धर्म के रूप में स्थापित करती है। धर्म के मार्ग से अर्थ और कामनाओं की सिद्धि से मोक्ष अपने आप प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि हिंदू कहलाने के लिए मंदिर जाना या धार्मिक ग्रंथो का पढ़ना आवश्यक नहीं है। हमारी सनातन परंपरा में धर्म को एक व्यापक दृष्टि से देखा और समझा गया है।

सीएम योगी ने कहा कि एक विश्वविद्यालय या शिक्षा संस्थान रचनात्मक कार्यों से वर्तमान पीढ़ी को नवीन ज्ञान से ओतप्रोत करता है। हमारे वैदिक संस्कृति का सूत्र भी यही है, 'आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः। अर्थात ज्ञान के लिए सभी दरवाजे खुले रखो। ऐसे में इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान के प्रति जड़ता तोड़ने और उसे नवीनता से परिपूर्ण करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, बीएचयू के वरिष्ठ आचार्य डॉ. के. रामचंद्र रेड्डी, इजराइल के आयुर्वेद औषधि विशेषज्ञ वैद्य गुई लेविन, श्रीलंका से आए आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. टी. वीररत्ना, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित संगोष्ठी में देश और दुनिया से प्रतिभागी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका और डॉ. के. रामचंद्र रेड्डी व डॉ. शांतिभूषण हांदुर द्वारा लिखित दो पुस्तकों का विमोचन किया। मंच पर आगमन से पूर्व उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माताओं डाबर, वैद्यनाथ, श्रीधुतपापेश्वर, ऐमिल, हिमालया और वैद्यरत्नम की तरफ से लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन किया।

योगी का अफसरों को आदेश, बोले–15 दिन में करें समाधान

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को आदेश दिया कि वे जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्हें तत्काल जेल भेजें। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में जमीन कब्जाने वालों से कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से 15 दिन के अंदर फरियादियों की समस्याओं का समाधान करने को कहा। रविवार को गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी ने सोमवार की सुबह–सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन में आए ढाई सौ से अधिक फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। ज्यादातर शिकायतें जमीन पर कब्जे को लेकर आई थीं। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने वहां मौजूद अफसरों को आदेश दिया कि वे जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्हें तत्काल जेल भेजें। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में जमीन कब्जाने वालों से कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से 15 दिन के अंदर फरियादियों की समस्याओं का समाधान करने को कहा। इसके साथ ही निर्देश दिया कि समस्याओं के समाधान के बाद फरियादियों को फोन कर उनका फीडबैक भी जरूर लिया जाए। गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में फरियादी आए थे। सीएम योगी ने कुर्सियों पर बैठे एक–एक फरियादी के पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। आवास की फरियाद लेकर आए जरूरतमंदों को सुन सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत मकान दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के पास पक्का मकान होना चाहिए। इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को भरोसा दिलाया कि धन की कमी से किसी का इलाज नहीं रुकेगा। आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज में कोई परेशानी न हो, इसे सुनिश्चित करने और वंचित पात्रों के कार्ड शीघ्र बनवाने के निर्देश भी दिए। महिलाओं और बच्चों से बातचीत के दौरान सीएम ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उन्हें चॉकलेट गिफ्ट की।

रामगढ़ताल फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर जीएसटी का छापा

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर जीएशटी की टीम जांच करने पहुंची है। आशंका जताई जा रही है कि कर चोरी को देखते हुए ये छापा मारा गया है। डिप्टी कमिश्नर के साथ छह सदस्यीय टीम फ्लोट पर पहुंची है। इसके अलावा गोरखपुर क्लब के अंदर संचालित रेस्टोरेंट की भी जांच करने एक टीम पहुंची हुई है। बताया जा रहा है कि एक टीम इनके फ्लोट निदेशक के दूसरे व्ययवसाय के दफ्तर के पते भी गई है।दरअसल, फ्लोट के निदेशक के परिसर पर आयकर विभाग का छापा चल रहा है। पांच दिन से आयकर विभाग की टीम प्रपत्रों और दस्तावेजों को खंगाल रही है। इसी बीच जीएसटी की टीम ने भी छापा मार दिया है।

पौष पूर्णिमा पर रामनगरी में सरयू स्नान को उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के सरयू तट पर सोमवार को पौष पूर्णिमा पर श्रद्धा का संगम नजर आया। ब्रह्म मुहूर्त से ही सरयू में स्नान–दान और मंदिरों में दर्शन–पूजन का शुरू हुआ सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाकर दान पुण्य किया। इसके बाद श्रद्धालुओं का काफिला विभिन्न मंदिरों में दर्शन–पूजन के लिए उन्मुख हो चला। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। प्रमुख मंदिरों के आसपास की निगरानी सीसीटीवी से की गई। सोमवार को पौष पूर्णिमा पर सर्दी के मौसम में भी श्रद्धालुओं में स्नान–दान का उल्लास दिखा। श्रद्धालुओं ने सरयू में डुबकी लगाकर पूजन अर्चन करते हुए दान पुण्य किया। जैसे–जैसे सूर्य की रश्मियां ऊपर उठती गईं श्रद्धालुओं का कारवां भी स्नान को पहुंचता रहा।

आस्था के आगे ठंड भी बौनी साबित होती दिखी। सरयू नदी में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सरयू जल लेकर पौराणिक शिव मंदिर नागेश्वरनाथ में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और पूजन अर्चन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं का रेला कनक भवन, हनुमानगढ़ी व रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए निकल पड़ा।

हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन के लिए भक्तों की कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने रामलला व कनक भवन के दरबार में भी माथा टेका। दर्शन–पूजन का सिलसिला दिन भर चलता रहा। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मजिस्ट्रेटों के हवाले सुरक्षा की कमान रही। सरयू घाटों पर पुलिस का कड़ा पहरा रहा।

कबीर मगहर महोत्सव में बॉलीबुड और पंजाबी नाइट होगा आकर्षण का केंद्र

संवाददाता–संतकबीरनगर। कबीर मगहर महोत्सव के आयोजन को लेकर सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीएम महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमे सात दिन तक चलने वाले अगल–अलग कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया गया। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि कबीर मगहर महोत्सव 28 जनवरी से तीन फरवरी तक मनाया जाएगा। जिसमे सातो दिवसों का टाईटल निर्धारित करते हुए यह प्रयास किया जाए कि सभी दिवसों में संत कबीर के विचार दर्शन से सम्बंधित एक कार्यक्रम अवश्य शामिल रहे। बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस सदगुरू कबीर नाईट से प्रारम्भ होकर बॉलीबुड नाइट, पंजाबी नाइट, भोजपुरी नाइट, भजन संध्या, हरियाणवी नाइट एवं कवि सम्मेलन मुशायरा के कार्यक्रम का मंचन अलग–अलग कलाकारों, संगीतकारों एवं साहित्यकारों द्वारा किया जाएगा।

ट्रेनों के विलंबित रहने से यात्री परेशान

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। ट्रेनों के विलंबित रहने से यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सोमवार को भी कई ट्रेनें घंटों की देरी से अकबरपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। डाउन 14650 अमृतसर से जयनगर सरजू जमुना एक्सप्रेस तो दो घंटे की देरी से अकबरपुर पहुंची। ट्रेन का अकबरपुर पहुंचने का समय सुबह 9.48 बजे है। वहीं 15015 अप मऊ आनंद विहार दो घंटा, डाउन 13010 देहरादून से हावड़ा दून एक्सप्रेस दो घंटा, 13009 अप हावड़ा से देहरादून दून एक्सप्रेस एक घण्टा की देरी से अकबरपुर पहुंची। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक चोर को रविवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। जरूरी प्रकिया के बाद उसका न्यायालय चालान कर दिया गया। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के गदायां निवासी मोहम्मद अब्दुल्ला ने बीते दिनों कोतवाली में तहरीर देकर कहा था कि उसकी बाइक रघुराजीपुरम कॉलोनी से चोरी हो गई। ऐसे में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाए। पुलिस ने प्रकरण में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। इस बीच रविवार रात पुलिस टीम ने अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद निवासी तैयव आलम को शास्त्रीनगर कॉलोनी स्थित कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार कर लिया।

दिनदहाड़े हुई 5.50 लाख की लूट का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में दिनदहाड़े हुई 5.50 लाख रुपये की लूट का कोतवाली नगर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि दो आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ के दौरान दोनों लुटेरों के पैर में गोली लगी है। दोनों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि कोतवाली नगर के रोडवेज बस अड्डा के पास 27 दिसंबर को जमीन का बैनामा कराने आई एक महिला से 5.50 लाख रुपये से भरा बैग बाइक सवार दो बदमाश लूट कर फरार हो गए थे। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए लुटेरे को कोतवाली नगर पुलिस व सर्विलांस टीम ने खोज निकाला और पोस्टमार्टम हाउस रोड पर रात में मुठभेड़ में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस टीम ने लूटी गई रकम में से एक लाख 11 हजार 100 रुपये बरामद कर लिए हैं। उनके पास से दो अवैध असलहा, कारतूस व लूट में प्रयुक्त चोरी की दो मोटरसाइकिल भी बरामद की है। दोनों लुटेरे बिहार के कटिहार जिले के रहने वाले हैं। दोनों पर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि इनकी ओर से अन्य जिलों में भी अंजाम दी गई वारदातों की जानकारी ली जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल संतकबीरनगर
रमजान अली
बनाम
श्रीमती तरन्नुम खातून आदि
1. श्रीमती तरन्नुम खातून पत्नी मो0 हनीफ 2. मो0 हुसेन 3. सराफत हुसेन 4. सहादत हुसेन पुत्रगण सिकन्दर 5. चांदतारा पत्नी सिकन्दर 6. नसीबुल्लाह 7. नसीब अली पुत्रगण ओरी साकिनान मौजा नन्दौरा तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
8. ग्राम पंचायत नन्दौर जरिए ग्राम प्रधान नन्दौर तप्पा बखिरा तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 19–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 30(2) उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती जिला–बस्ती
विजय सेन आदि
बनाम
जीतनरायन आदि
1. जीतनरायन सिंह दत्तक पुत्र धुरपत सिंह –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. अनुराग सिंह पुत्र तेजनरायन सिंह
3. कृष्णा सिंह पत्नी प्रेमनरायन सिंह
4. तेजनरायन सिंह पुत्र अनन्त सिंह साकिनान मौजा महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–124/2022
रंजीत आदि
बनाम
सुशील कुमार आदि
1. सुशील कुमार उम्र लगभग 44 साल 2. उमेश कुमार उम्र लगभग 42 साल पुत्रगण राम बहादुर साकिनान मौजा बारीजोत तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–02–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 25 माह 02 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 13 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 90/2003
राम पियारे आदि
बनाम
इन्द्रबली आदि
2/1 श्रीमती ज्ञानमती उम्र 65 साल पत्नी पतिराम 2/2 सुबाष उम्र 43 साल 2/3 राजमन उम्र 38 साल 2/4 केशव उम्र 36 साल 2/5 बुचनू उम्र 34 साल 2/6 पन्नेलाल उम्र 31 साल पुत्रगण पतिराम साकिन चोकहर तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर पो0–घटरम्हा 12/1 सुरेन्द्र उम्र 40 साल 12/2 अशोक उम्र 35 साल पुत्रगण बरखू साकिन चोकहर तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर पो0–घटरम्हा

तारीख पेशी 10–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 150/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती मुस्लिमा खातून
बनाम
अतीक अहमद
1. अतीक अहमद पुत्र अब्दुल मजीद साकिन मौजा बस्ती खास हाल मुकाम मनहनडीह तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती मो0 अस्पताल चौराहा बस्ती

तारीख पेशी 18–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–12/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अलीमुल्लाह
बनाम
तुफैल अहमद आदि
1. तुफैल अहमद 2. जमील अहमद 3. रसूल अहमद 4. इरसाद अहमद वालिगान पुत्रगण स्व0 जमीरूल्लाह साकिनान मुडेहरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर पो0 सेमरी
–रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग
5. वाजिद अली पुत्र स्व0 हयात मोहम्मद उम्र लगभग 71 वर्ष साकिन मुडेहरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर पो0 सेमरी
–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 22–01–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी कपिलदेव सोनकर पुत्र श्री सहदेव सोनकर राजा मैंदान डफालीटोला थाना– पुरानी बस्ती जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे पुत्र मुकेश कुमार सोनकर और उसकी पत्नी श्रीमती देवी का चाल चलन ठीक नहीं है। वह आये दिन परिवार में कलह किया करतें है। समझाने पर भी नहीं मानते। इसे देखते हुये मैं उन्हें 13–01–2025 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। अब उनका मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com